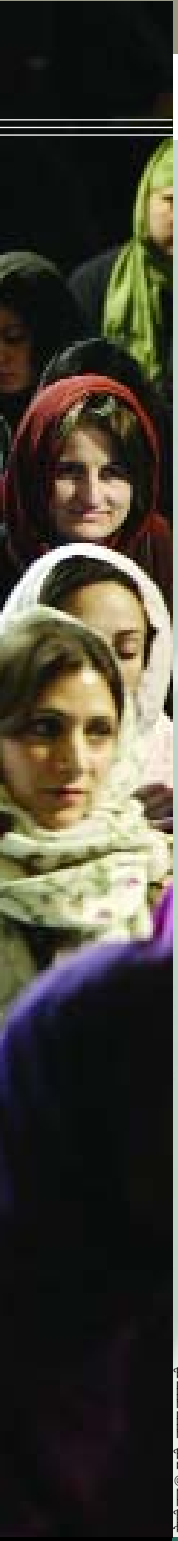

मुस्लिम सॅरॉरिटी महिलाओं के लिए नए मौके

स्टीव हॉलगेट

कई लोगों का विचार है कि ग्रीक वर्णमाला के अक्षरों के नामों वाली अमेरिकी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों की समितियां-सभाएं मिल बैठने और दावतें आयोजित करने का बहाना हैं। लेकिन इनमें विभिन्न क्षेत्रों में रुचि रखने वाले छात्रों के कई तरह के संगठन शामिल हैं जिनमें से कई गंभीर पठन-पाठन और समाज सेवा को प्रोत्साहन देते हैं। अब इनमें इस्लाम के सिद्धांतों पर आधारित एक नई राष्ट्रीय सॅरॉरिटी भी जुड़ गई है।

लगभग एक साल पहले स्थापित गामा गामा ची सॅरॉरिटी का लक्ष्य इस्लामी परंपरा का निर्वाह करते हुए युवा महिलाओं को सॅरॉरिटी अनुभव के रचनात्मक पक्ष का अनुभव उपलब्ध करवाना है। वैसे इसकी सदस्यता उन गैर- मुस्लिम युवतियों को भी उपलब्ध हो सकेगी जो इसके लक्ष्यों का समर्थन करती हैं। नॉर्थ कैरॉलाइना स्थित अपने विश्वविद्यालय में सॅरॉरिटी अनुभव से खिन्न मुस्लिम युवती इमानी अब्दुल हक को लगा कि इस्लामी मूल्यों पर आधारित एक नई सॅरॉरिटी बनाई जाए। यूं गामा गामा ची का गठन हुआ। पहले एक कॉलेज की अध्यक्ष और खुद भी सॅरॉरिटी की सदस्य रह चुकी इमानी की मां एल्थिया कॉलिन्स ने इसके अध्यक्ष पद और कार्यकारी निदेशक पद की जिम्मेदारियां संभाल लीं। सॅरॉरिटी के क्रियाकलापों पर वह अपने समय के अलावा अब तक 50,000 डॉलर की राशि भी खर्च कर चुकी हैं। गामा गामा ची के सामने आई बड़ी चुनौतियों में से एक थी अमेरिकी विश्वविद्यालयों के परिसरों में अपने लक्ष्यों का प्रचार-प्रसार। एल्थिया और उनके सहयोगी कई विश्वविद्यालयों में अनौपचारिक सत्र आयोजित करके उत्सुक छात्राओं को गामा गामा ची के बारे में जानकारी दे चुके हैं। सूचना पाने को उत्सुक छात्राओं में सिर से पैरों तक चादर में लिपटी युवतियां भी थीं और जीन्स-टी शर्ट पहनने वाली भी।

यूनिवर्सिटी ऑफ केन्टकी में गामा गामा ची की शाखा खुल रही है। नेशनल पब्लिक रेडियो से साक्षात्कार में वहां की एक छात्रा ने कहा,'' इस्लाम यही तो सिखाता है।'' मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की स्नातक और गामा गामा ची के बोर्ड की सदस्या क्रिस्टीन ऑर्टिज ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में सॅरॉरिटी को मिलने वाले महत्व को रेखांकित करते हुए यूएसए टुडे को बताया, ''यह परिसर में मुस्लिम महलाओं की आवाज बनेगी, उनकी उपस्थिति दर्ज कराएगी।''

बाएं से: गामा गामा ची की किम्बरली हार्पर, इमानी अब्दुल हक, एल्थिया एफ. कॉलिन्स और केशा अब्दुल मतीन।

साभार: गामा गामा ची

नेशनल पब्लिक रेडियो पर एल्थिया ने कहा, ''मुझे लगा कि यह सॅरॉरिटी नेतृत्व के गुण विकसित कर पाने और एक-दूसरे की सहायता करना सीखने में मुस्लिम महिलाओं की सहायता कर पाने का एक अवसर है। इस्लाम के प्रति इसका समर्पण गामा गामा ची के आदर्श वाक्य में स्पष्ट है ''भगिनी भाव, अध्ययन, नेतृत्व और समाज सेवा के माध्यम से अल्लाह की प्रसन्नता के लिए प्रयासरत''। इसके छह लक्ष्यों या स्तंभों में इस्लामी चेतना, शिक्षा, और साथ ही स्वास्थ्य संबंधी सामाजिक और पर्यावरणीय चेतना शामिल हैं। गामा गामा ची की शाखाओं में इस्लामी आचरण पर विशेष बल दिया जाएगा और इस्लामी पर्व- त्यौहार मनाए जाएंगे। एल्थिया कहती हैं कि सॅरॉरिटी के आयोजनों में शराब नहीं परोसी जाएगी, इसकी सदस्याएं किसी परियोजना पर पुरुषों के साथ काम तो कर सकती हैं लेकिन उनके सामाजिक कार्यक्रमों में पुरूष शामिल नहीं होंगे।

लगता है कि अन्य छात्र भी गामा गामा ची के नेतृत्व की इस राय से सहमत हैं कि यह सॅरॉरिटी विभिन्न छात्र संगठनों के बावजूद महसूस की जा रही कमी को पूरा कर रही है। 20 राज्यों की मुस्लिम युवतियों ने इस संगठन की शाखाएं शुरू करने में रुचि दिखाई है ताकि वे अपने जैसी स्त्रियों की संगति में इस्लाम के श्रेष्ठ पक्षों को प्रदर्शित कर पाएं।

अन्य सॅरॉरिटी के सदस्यों ने भी नए संगठन का स्वागत किया है। कुछ लोगों ने इस तथ्य की ओर भी ध्यान खींचा है कि इन्हीं सिद्धांतों पर गठित कई ईसाई सॉरॉरिटी भी बहुत सफल रही हैं। केन्टकी विश्वविद्यालय के प्रशासन कार्य से जुड़ी सूसन वेस्ट ने अपने यहां गामा गामा ची की शाखा खुलवाने के लिए काफी प्रयास किया। उनका कहना है कि यह विश्वविद्यालय सभी मत-मतांतरों के अनुयायियों का स्वागत करता है। उन्होंने वॉयस ऑफ अमेरिका को बताया, ''मुझे लगता है कि गामा गामा ची स्त्रियों को एक नया अवसर उपलब्ध करवाएगा।'' अन्य सॅरॉरिटी की सदस्याओं से बातचीत में मैंने पाया कि वे परिसर में एक नए संगठन के आगमन से उत्साहित हैं क्योंकि यह कुछ नया ला रहा है।''

अटलांटा, जॉर्जिया में इसकी पहली शाखा की स्थापना गामा गामा ची के लिए मील का पत्थर है। यह शाखा कई स्थानीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की छात्राओं को मंच उपलब्ध करवा रही है। अन्य अमेरिकी शहरों में भी शाखाएं खुलने की प्रक्रिया चल रही है। इस सॅरॉरिटी का लक्ष्य अमेरिकी के सभी क्षेत्रों में अपनी शाखाएं खोलना है।

एल्थिया गामा गामा ची के भविष्य को लेकर आश्वस्त और आत्मविश्वास से भरी हैं: ''जिस उत्साह और रुचि से इसका स्वागत हुआ है, उससे मैं बहुत खुश हूं। इमानी और मैं बहुत गर्व का अनुभव करते हैं कि लंबे अर्से से महसूस की जा रही इस कमी को दूर करने की पहल हमने ही की।'' □

***स्टीव हॉलगेट** अमेरिकी विदेश विभाग के ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल इनफॉरमेशन प्रोग्राम्स द्वारा प्रकाशित वाशिंगटन फाइल के विशेष संवाददाता हैं।*
(http://usinfo.state.gov)

ग्रेगरी बुल © ए.पी. डब्ल्यू डब्ल्यू एफ.